उस वक्त मुसर्रत होती है | By Ashok Shauq |

उस वक्त मुसर्रत होती है
जब तेरी इनायत होती है
दीदार तुम्हारा होने से
अपनी तो इबादत होती है
उस वक्त मुसर्रत होती है

जो आके गले मिल जाते हैं
उनके बारे में क्या कहना
उनके बारे में क्या कहना
मुँह फेर के जाने वाले से
हमको तो मोहब्बत होती है
दीदार तुम्हारा होने से
अपनी तो इबादत होती है
उस वक्त मुसर्रत होती है

बेगानी सी इस दुनिया में
सब कुछ अपना सा लगता है
जब प्यार का सौदा होता है
जब प्यार का सौदा होता है
तब ऐसी हालत होती है
दीदार तुम्हारा होने से
अपनी तो इबादत होती है
उस वक्त मुसर्रत होती है

चेहरों पे चेहरे दुनिया में
सब लोग लगाए फिरते हैं
सब लोग लगाए फिरते हैं
पर शौक छुपाए छुपती नहीं
जो असल हकीकत होती है
दीदार तुम्हारा होने से
अपनी तो इबादत होती है
उस वक्त मुसर्रत होती है

उस वक्त मुसर्रत होती है
जब तेरी इनायत होती है
दीदार तुम्हारा होने से
अपनी तो इबादत होती है
उस वक्त मुसर्रत होती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%89%e0%a4%b8-%e0%a4%b5%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-ashok-shauq/